न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर

पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर0ए0एस0)
वाद सं0 : 788 सन 2020
अनवान :–

1. सुगनलाल पुत्र दयालाराम जाति ब्राहम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. दयालाराम पुत्र तुलछीराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
2. किशनी पुत्री श्रीराम उर्फ शेराराम पत्नी दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
3. राजुराम पुत्र दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
4. विनोद पुत्र दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
5. शिवनारायण पुत्र दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
6. कलावती पुत्री दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
7. सन्तोष पुत्री दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
8. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88

उपस्थित : श्री नरेन्द्र किशोर जोशी अधिवक्ता वादी
पेरोकार राज

निर्णय दिनांक :– 08/03/2021

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88 के तहत इस आश्य का पेश किया गया की रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 95/89 की कुल 7.714हैक एवं खाता संख्या 286/268 की कुल 2.782हैक व खाता संख्या 287/267 की कुल 5.868हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 ,2 के नाम सें दर्ज है।

उक्त भूमि पूर्व में वादी के पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी वादी के पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के देहान्त होने पर वाद विरास्तन से वाद भूमि उनके पुत्र /पुत्री प्रतिवादी संख्या 1 ,2 के नाम से दर्ज हुई।

वाद भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 ,2 जो वादी के पिता /माता है के नाम से दर्ज है वादी के पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के देहान्त होने के बाद विरास्तन से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है जिसके कारण पैतृक सम्पति है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 7 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ बराबर का हक हिस्सा है।

प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का पित व प्रतिवादी संख्या 2 जो वादी की माता है एवं प्रतिवादी संख्या 6 ता 7 वादी की बहने है एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री है प्रतिवादी संख्या 1, 2 ,6 ,7 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 का बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 को कई मर्तबा कहा की वादी के हक हिस्सा की भूमि को उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिनों तक तो आज कल आज कल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिये यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की प्रतिवादी संख्या 1 ,2 जो वादी का पिता/माता है के नाम से दर्ज भूमि को वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 बहिब के खातेदार काश्तकार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वादी का वाद प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 ता 7 जरिये अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित

आकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल दावा पेश किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ,2 ने निवेदन किया की उसके नाम से दर्ज भूमि उसके पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के देहान्त होने पर विरास्तन से प्राप्त हुई है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता का बराबर का हक हिस्सा है तथा प्रतिवादी संख्या 1 ,2 6 ता 7 ने निवेदन किया की उन्होने अपने हक हिस्सा की भूमि को अपने भाई/पुत्रों वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 के पक्ष में त्याग किया हुआ है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है व अपने कथनों के समर्थन में ईकबाला दावा पेश किया गया। शामिल मिसल किया एवं प्रतिवादी संख्या 8 पेरोकार राज ने जबाब पेश किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्य हकों को सुरक्षित रखते हुए निस्तारण किया जाता है तो कोई ऐतराज नही है जबाब शामिल मिसल किया गया।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का ईकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी ने अपना शपथ पत्र पेश किया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पष्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

वकील वादी के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने वाद में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 95/89 की कुल 7.714हैक्व एवं खाता संख्या 286/268 की कुल 2.782हैक व खाता संख्या 287/267 की कुल 5.868हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 ,2 के नाम सें दर्ज है।

उक्त भूमि पूर्व में वादी के पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी वादी के पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के देहान्त होने पर वाद विरास्तन से वाद भूमि उनके पुत्र /पुत्री प्रतिवादी संख्या 1 ,2 के नाम से दर्ज हुई।

वाद भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 ,2 जो वादी के पिता /माता है के नाम से दर्ज है वादी के पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के देहान्त होने के बाद विरास्तन से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है जिसके कारण पैतृक सम्पति है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 7 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ बराबर का हक हिस्सा है।

प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का पित व प्रतिवादी संख्या 2 जो वादी की माता है एवं प्रतिवादी संख्या 6 ता 7 वादी की बहने है एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री है प्रतिवादी संख्या 1, 2 ,6 ,7 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 का बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी के वाद को प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के सम्बध में कोई ऐतराज नही है वादी अपने कथनों के सम्बध में न्यायायिक दृष्टान्त आर.बी.जे. 1998 पेज 615 एवं आरआरडी वर्ष 1998 पेज 646 प्रस्तुत कर निवेदन किया की कोई भी खातेदार काश्तकार आपसी सहमति /राजीनामा के आधार पर अपने हकों को स्थानान्तरण कर सकता है अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमने उभयपक्षो की बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 95/89 की कुल 7.714हैक एवं खाता संख्या 286/268 की कुल 2.782हैक व खाता संख्या 287/267 की कुल 5.868हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 ,2 के नाम सें दर्ज है।

जमाबन्दी सम्वत 2029 से 2038 भु0प्रबन्ध विभाग के अनुसार वाद भूमि पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के नाम से दर्ज थी अर्थात वाद भूमि

पूर्व में वादी के पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के नाम से दर्ज है वादी के पूर्वज तुलछीराम वल्द लिखमाराम , श्रीराम वल्द गोविन्दराम के देहान्त होने के वाद विरास्तन से वाद भूमि वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है विरास्तन से भूमि वादी के पिता के नाम से दर्ज होने के कारण पैतृक सम्पति होना साबित है। हिन्दु उतराधिकार अधिनियम की धारा 6 ,8 के अनुसार पैतृक सम्पति में वादी का हक हिस्सा है अर्थात दादा की सम्पति में पौते/पौतियों को बराबर का हक हिस्सा होगा। अर्थात वाद भूमि में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 7 के हक हिस्सा की भूमि है

वादी का कथन है कि प्रतिवादी संख्या 1 2 6 ,7 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग किया हुआ है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 1 ,2 ,6 ,7 ने स्वीकार किया जाकर इकबाल पेश किया जाकर निवेदन किया जा चुका है कि वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है

वादी के वाद को प्रतिवादीगण के द्वारा स्वीकार करने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुत एवं न्यायायिक दृष्टान्तों जो प्रकरण पर चस्पा होते है के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण काबिल डिक्री है तथा प्रतिवादी संख्या 1 ,2 ,6 ,78 ने अपने हकों का त्याग किये जाने के कारण राज्यहकों की सुरक्षा के मध्यनजर स्टाम्प डयूटी कायम की जानी न्यायोचित है।

अतः वादी के वादी को प्रतिवादी संख्या 1 ता 7 के द्वारा वादी के वाद को स्वीकार करने एवं पेरोकार राज का किसी प्रकार का ऐजराज नही होने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो एवं न्यायायिक दृष्टान्तों के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 95/89 की कुल 7.714हैक भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है एवं खाता संख्या 286/268 की कुल 2.782हैक व खाता संख्या 287/267 की कुल 5.868हैक दोनो खातो में सयुक्त तौर से 1/2 हिस्सा भूमि प्रतिवादी संख्या 2 के नाम से दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 बहिब के खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे। इसी आश्य की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो ।

निर्णय आज दिनांक 08/03/2021 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)

सत्यमेव जयते

पर्चा डिक्री

(आर्डर 20, रूल 6–7 जाब्ता दिवानी)

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर

अनवान :–

1. सुगनलाल पुत्र दयालाराम जाति ब्राहम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1 दयालाराम पुत्र तुलछीराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
2. किशनी पुत्री श्रीराम उर्फ शेराराम पत्नी दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
3. राजुराम पुत्र दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
4. विनोद पुत्र दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
5. शिवनारायण पुत्र दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
6. कलावती पुत्री दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
7. सन्तोष पुत्री दयालाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी देवासर तहसील नोहर।
8. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 788 सन 2020 निर्णय दिनांक– 08/02/2021

आज यह वाद मुझ श्वेता कोचर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोहर के समक्ष अधिवक्ता वादी एवं पेरोकार राज की उपस्थिति में अंतिम निपटारे/ निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबुतो एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 95/89 की कुल 7.714हैक भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है एवं खाता संख्या 286/268 की कुल 2.782हैक व खाता संख्या 287/267 की कुल 5.868हैक दोनो खातो में सयुक्त तौर से 1/2 हिस्सा भूमि प्रतिवादी संख्या 2 के नाम से दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर वादी एवं प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 बहिब के खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे।

पर्चा डिक्री आज दिनांक 08/3/2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)